__/__/____

Tender Heart School, Sector 33-B, Chandigarh.

Date- Class - VI
Subject - Hindi Language Page - 1
Subject Teacher- Ms. Roma Rani

पुस्तक - नवतरंग भाग - 6
पाठ - 9 'बंजारा नमक लाया' (कविता)
कवि - प्रभात

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

यह पाठ - 9 'बंजारा नमक लाया' कक्षा छठी की हिन्दी साहित्य की पाठ्यपुस्तक नवतरंग भाग - 6 की पृष्ठ संख्या - 70 में दिया गया है। यह पाठ आपको 29 सितंबर, 2021 को भेजा जाएगा।

प्यारे बच्चो ! आज हम पाठ - 9 'बंजारा नमक लाया' कविता पढ़ेंगे। इस लिए सभी बच्चे अपनी हिन्दी की पुस्तक नवतरंग भाग - 6 का पृष्ठ - 70 निकाल लें और कविता को ध्यान से पढ़ें।

साँभर झील से भराया
भैंरू मारवाड़ी ने
बंजारा नमक लाया
ऊँटगाड़ी में।

बच्चो ! यह कविता 'बंजारा नमक लाया' हिन्दी के प्रसिद्ध कवि प्रभात द्वारा लिखी गई है। बच्चो कविता की इन पंक्तियों के अर्थ जानने से पहले हम इसमें आए कठिन शब्दों के बारे में जान लेते हैं।

Scanned with CamScanner

__/__/__

Date -   Class - VI
Subject - Hindi Literature   Page - 2
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

≐ साँभर झील — खारे पानी की झील
यह झील राजस्थान में है।

≐ बंजारा — जिसके रहने या ठहरने का कोई निश्चित स्थान नहीं होता।

भावार्थ :- इन पंक्तियों में कवि लिख रहे हैं कि भैरु नाम का एक मारवाड़ी, जो कि राजस्थान में रहता है, ने साँभर झील से लेकर नमक अपनी ऊँटगाड़ी में लाद लिया है अर्थात् रख लिया है। अब वह इस नमक को गाँव-गाँव में बेचने जाएगा।

बर्फ़ जैसी चमक
चाँद जैसी बनक
चाँदी जैसी ठनक
अजी देसी नमक
देखो ऊँटगाड़ी में
बंजारा नमक लाया
ऊँटगाड़ी में

बनक — बनावट
ठनक — चमकीली

भावार्थ - कविता की इन पंक्तियों में कवि लिख रहे हैं कि बंजारा अपनी ऊँटगाड़ी पर जो नमक लाद कर लाया है वह बर्फ़ की तरह साफ़ चमक रहा है और उसकी चाँद की तरह बहुत सुंदर बनावट है। नमक की चमक बिल्कुल चाँदी की तरह है। आओ सभी देखो

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date -   Class - VI
Subject - Hindi Literature   Page - 3
Subject Teacher - Roma Rani

बंजारा अपनी ऊँटगाड़ी में नमक लाया है।
कोई रोटी करती भागी
कोई दाल चढ़ाती आई
कोई लीप रही थी आँगन
बोली हाथ धोकर आई
लाई नाज थाली में
बंजारा नमक लाया
ऊँटगाड़ी में।

भावार्थ :- कविता की पंक्तियों में कवि लिख रहे हैं कि जब बंजारा गाँव में नमक बेचने गया। तो सारे गाँव में हलचल मच गई। सारी स्त्रियाँ नमक खरीदने के लिए उतावला पन दिखाती हैं। कोई रोटी पकाती हुई भाग कर आई, कोई दाल चढ़ाती भाग कर आई। कोई अपने घर का आँगन लीप रही थी तो दूसरी स्त्रियों को कहती है कि मैं हाथ धोकर आई। कोई अपने साथ थाली में अनाज भरकर लाई, जिसके बदले वह नमक ले जाएगी।

बच्चो मैंने आपको यहाँ तक आपको कविता करवा दी है। अब मैं आपको कुछ अभ्यास के प्रश्न दूँगी, जिनके उत्तर आप अपनी अभ्यास पुस्तिका में लिखेंगे।

प्रश्न - 1. साँभर झील कहाँ पर है ?

प्रश्न - 2. भैरुं मारवाड़ी ने साँभर झील से क्या भराया ?

प्रश्न - 3. नमक की चमक कैसी थी ?

Scanned with CamScanner

__/__/____

Date - Class - VI
Subject - Hindi Literature Page - 4
Subject Teacher - Ms. Roma Rani

प्रश्न - 4. बंजारा नमक किसपे रखकर लाया था?
प्रश्न - 5. महिला थाली में अनाज क्यों लाई?

बच्चो! अब मैं आपको इन प्रश्नों के उत्तर बताऊँगी। सभी बच्चे इनका अपने उत्तरों के साथ मिलान करके देखेंगे।

उत्तर - 1. राजस्थान में
उत्तर - 2. भैरु मारवाड़ी सॉभर झील से नमक भरवाकर लाया था। उत्तर - 3. चाँदी जैसी
उत्तर - 4. बंजारा नमक ऊँटगाड़ी पर रख कर लाया था।
उत्तर - 5. महिला अनाज के बदले नमक लेना चाहती थी।

गृह कार्य :-

≐ बच्चो! आप इस पाठ के पृष्ठ - 11 पर आए शब्द अर्थ अपनी हिन्दी साहित्य की उत्तर पुस्तिका में लिखेंगे।

≐ आप इस कविता को अच्छे से दो से तीन बार पढ़ेंगे और इसके अर्थों को समझने की कोशिश करेंगे।

धन्यवाद!

Last page

Scanned with CamScanner